प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पुरस्कार वितरण के साथ कृषिमंत्री ने किया किसान मेले का समापन

पंतनगर। ०९ अक्टूबर, २०१७। पंतनगर के चार-दिवसीय किसान मेले का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आज गांधी हाल में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के कृषिमंत्री, श्री सुबोध उनियाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रबन्ध परिषद् के सदस्य, श्री राजेन्द्र पाल सिंह; निदेशक कृषि, उत्तराखण्ड श्री गौरी शंकर; निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास; कार्यवाहक निदेशक शोध, डा. आर.एन. राम; मुख्य विकास अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, श्री आलोक कुमार पाण्डे भी मंच पर उपस्थित थे।

अपने मुख्य अतिथि के सम्बोधन में श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखण्ड के किसान को बचाने के लिए पंतनगर विश्वविद्यालय को नेतृत्व लेना होगा, ताकि विश्वविद्यालय अपनी क्षमताओं का पूरा फायदा किसानों को दे सके। उन्होंने कहा कि समन्वित खेती के साथ-साथ समन्वित तंत्र की भी आवश्यकता है, ताकि उच्च गुणवत्तायुक्त बीजों के साथ-साथ अच्छे उर्वरक, कृषि रसायन, भण्डारण एवं विपणन की भी व्यवस्था किसानों को दी जा सके। श्री उनियाल ने विश्वविद्यालय के शोध को किसानों के खेतों तक पहुंचाने की अत्यन्त आवश्यकता बतायी। कृषिमंत्री ने कृषि विभाग की अटल हर्बल खेती योजना एवं समन्वित आदर्श कृषि ग्राम योजना के बारे में बताया साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार के कृषि एवं सम्बन्धित विभागों के बीज अन्तर्विभागीय समन्वय द्वारा संयुक्त रणनीति बनाये जाने की आवश्यकता बतायी, ताकि किसानों की आय दुगनी करने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को वर्ष २०२२ तक प्राप्त किया जा सके।

कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने छोटे से देश हालैण्ड, का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष २००० में अपना उत्पादन दुगना करने का लक्ष्य लेकर चलने वाला यह देश आज विभिन्न कृषि उत्पादों का विश्व औसत के मुकाबले कई गुना उत्पादन कर रहा है। साथ ही पानी का ९० प्रतिशत तक कम उपयोग व रासायनिक उर्वरकों का न्यूनतम प्रयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये सब तकनीके उपलब्ध है इन्हें अपनी परिस्थितियों के अनुसार ढाल कर किसानों की आय को दुगना किया जा सकता है। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों में कीवी, अदरक, हल्दी, पुष्प, जड़ी-बूटी इत्यादि फसलों का उत्पादन बढ़ाने की बात कही ताकि जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। प्रो. मिश्रा ने विविधीकरण के साथ-साथ खेती की पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन इत्यादि के साथ समन्वय की आवश्यकता बतायी। उन्होंने गाय की देशी नस्लों को बढ़ावा देने के लिए भी कहा।

श्री राजेश शुक्ला ने कहा कि पर्वतीय खेती को सफल बनाने हेतु विश्वविद्यालय को प्रयास तेज करने होंगे। उन्होंने कृषिमंत्री से किसानों को पौधे व बछिया देने की राज्य सरकार की योजना में पंतनगर विश्वविद्यालय को सहयोग देने हेतु कहा। श्री राजेन्द्र पाल सिंह ने विश्वविद्यालय को अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने तथा बदलते परिवेश के अनुसार नये शोध किये जाने के लिए कहा। श्री गौरी शंकर ने विभिन्न पर्वतीय फसलों के बीजों का उत्पादन किये जाने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में चार-दिवसीय १०२वें किसान मेले के बारे में जानकारी देते हुए डा. वाई. पी.एस. डबास ने बताया कि इस मेले में विभिन्न फर्मों, विश्वविद्यालय एवं अन्य सरकारी संस्थाओं के छोटे-बड़े ३५० स्टाल लगाये गये व हजारों किसानों ने मेले का भ्रमण किया। इस मेले में विश्वविद्यालय द्वारा लगभग ६५.०० लाख रूपये के बीजों व लगभग ६.०० लाख के पौधों व साहित्य की बिक्री की गयी।

समापन समारोह में कृषिमंत्री द्वारा सर्वोत्तम स्टाल के लिए मैसर्स ए.एच. एसोशिएट, दानपुर, रूद्रपुर. तथा सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए मैसर्स कोरटेक एग्री एण्ड बायो सोल्यूशन प्रा.लि., नई दिल्ली, को

ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया। मेले में लगी उद्यान प्रदर्शनी में सबसे अधिक ३३ (१९ प्रथम व १४ द्वितीय) पुरस्कार प्राप्त करने पर सैनिक फार्म, पत्थरचट्टा के फार्म अधीक्षक श्री वी.पी. श्रीवास्तव को तथा व्यक्तिगत रूप से १४ (८ प्रथम एवं ६ द्वितीय) पुरस्कार प्राप्त करने पर श्री बृज कुमार, संजय कालोनी, पंतनगर को शील्ड प्रदान की गयी। विश्वविद्यालय व अन्य सरकारी संस्थानों के स्टालों को भी उनके प्रर्दशन के आधार पर पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त इस अवसर पर किसान मेले में आयोजित पशु प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये। साथ ही मेले में लगाये गये विभिन्न वर्गों के स्टॉलों को भी उनके प्रदर्शन व बिक्री के आधार पर पुरस्कृत किया गया। डा. आर.एन. राम, ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद दिया।

कृषि मंत्री श्री सुबोध उनियाल मेले में सर्वोत्तम स्टाल का पुरस्कार मैसर्स ए.एच. एसोशिएट, दानपुर, रूद्रपुर को प्रदान करते।